web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 22 जनवरी 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 116

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर : कठुआ में सडक़ से फिसलकर खाई में गिरी बस, पांच लोगों की दर्दनाक मौत

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में शनिवार सुबह एक मिनीबस सडक़ से फिसलकर खाई में गिर गई। इस भीषण सडक़ हादसे में एक एक महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि कठुआ के बिलावर इलाके के सिला गांव में एक मिनी बस के चालक ने नियंत्रण खो दिया। मिनी बस खाई में गिर गई, इससे चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया, अस्पताल ले जाते समय एक घायल व्यक्ति की मौत हो गई। बस मोंडली से धनु परोल गांव जा रही थी।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले जेडीएस नेता शिवानंद पाटिल का निधन

नई दिल्ली (आरएनएस)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल (सेक्यूलर) पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के कद्दावर नेता और सबसे प्रभावी चेहरों में से एक शिवानंद पाटिल का बीती देर रात हार्ट अटैक से निधन हो गया। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। बता दें कि शिवानंद पाटिल कर्नाटक चुनाव में सिंदगी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रत्याशी चुने गए थे। कर्नाटक के पूर्व सीएम और जनता दल (एस) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने ट्वीट कर जानकारी दी कि सिंदगी निर्वाचन क्षेत्र से अगले विधानसभा चुनाव के लिए जद (एस) के उम्मीदवार शिवानंद पाटिल की मौत हो गई है। बीती देर रात दिल का दौरा पडऩे से उनका निधन हो गया।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बीच दो धमाकों से दहला जम्मू, कई लोग घायल

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू में शनिवार को हुए दो विस्फोटों में छह लोग घायल हो गए। एडीजीपी (जम्मू जोन) मुकेश सिंह ने कहा कि जम्मू शहर के नरवाल इलाके में दो वाहनों में हुए दो विस्फोटों में छह लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा, घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। तलाशी के लिए इलाके को घेर लिया गया है। ये धमाके ऐसे समय में हुए हैं जब राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो यात्रा जम्मू से गुजर रही है। जानकारी के मुताबिक, ट्रांसपोर्ट नगर के वार्ड नंबर 7 में पहला धमाका करीब 11:00 बजे हुआ। इसके ठीक 15 से 20 मिनट बाद इसी इलाके में दूसरा धमाका हुआ। प्रारंभिक जांच में इन दोनों धमाकों में स्टिकी बम के इस्तेमाल होने की बात सामने आई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। अभी पक्के तौर पर धमाके की वजह पता नहीं चल पाई है। पुलिस घटनास्थल पर घेराबंदी कर जांच में जुटी है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। ब्लास्ट के बाद जम्मू पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि दो वाहनों में विस्फोट की सूचना मिली थी, जिससे 6 लोगों के घायल होने की खबर है।

गणतंत्र दिवस पर सबसे आगे वीवीआईपी के बैठने का कल्चर खत्म, अब कर्तव्य पथ पर सबसे आगे बैठेंगे रिक्शा-ठेले वाले व श्रमजीवी

नई दिल्ली (आरएनएस)। इस बार गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में होने वाली परेड को देखने के लिए कर्तव्य पथ पर सबसे आगे वीवीआईपी नहीं बैठेंगे। बल्कि उनकी जगह श्रमजीवी, रिक्शे वाले ठेले वाले, मजदूर तबके के लोग कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड में सबसे आगे बैठे दिखाई देंगे।

आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने एक जो नया फैसला लिया है। इस फैसले की खूब सराहना और चर्चा भी हो रही है। वह फैसला यह है कि कर्तव्य पथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस की परेड को देखने के लिए सबसे आगे श्रमजीवी, मजदूर, रिक्शे वाले, ठेले वाले मजदूर तबके के लोगों को बिठाया जाएगा। जबकि पहले ऐसा कभी नहीं होता था। गणतंत्र दिवस की परेड में सबसे आगे की पंक्ति में वीवीआईपी बैठा करते थे। केंद्र सरकार की तरफ से अपने आप में एक नया फैसला लिया गया है। भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा होने जा रहा है कि मजदूर तबके के लोग जो दिन रात मेहनत मजदूरी करते हैं ऐसे श्रमजीवी, मजदूरों, रिक्शा वाले, ठेले वालों को गणतंत्र

दिवस के मौके पर सबसे आगे बिठाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार ऐसे श्रमजीवी लोग जिन्होंने सेंट्रल विस्ता बनाने में मदद की वह भी गणतंत्र दिवस की परेड में सबसे आगे पहली पंक्ति में बैठेंगे। इसके अलावा इस गणतंत्र दिवस को होने वाली परेड पर सब्जी वाले, रिक्शा वाले, ठेला वाले लोग सबसे आगे वाली पंक्ति में बैठेंगे। जबकि यह सबसे आगे वाली पंक्ति वीवीआईपी लोगों के लिए रिजर्व होती थी। केंद्र सरकार के द्वारा जिन श्रमिकों ने सेंट्रल विस्टा बनाने में मदद की वह और उनके परिवार कर्तव्य पथ का रखरखाव करने वाले कर्मचारी, छोटे किराना वाले, सब्जी वाले, ठेले वाले गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड को देखने के लिए सबसे आगे पहली पंक्ति में बैठेंगे। जानकारों के अनुसार केंद्र सरकार के इस फैसले का उद्देश्य गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा श्रमजीवी और आम लोगों को शामिल करना है।

राजस्थान की झांकी इस साल भी नहीं दिखेगी कर्तव्य पथ पर

नई दिल्ली (आरएनएस)। आजादी के अमृत महोत्सव के स्वर्णिम दौर में इस वर्ष भारत अपना 74 वां गणतंत्र दिवस मनाएगा लेकिन इस बार भी गणतंत्र दिवस परेड में देश के सबसे बड़े आकार वाले प्रदेश राजस्थान सहित कुछ अन्य प्रदेशों की झाकियाँ कर्तव्य पथ पर चलती हुई नहीं दिखेंगी। राजस्थान की झाँकी गत वर्ष भी राजपथ से नही गुजरी थी और अब जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पथ का नाम बदल कर्तव्य पथ रखा है तब भी रंग बिरंगें राजस्थान की झाँकी का सूनापन जारी रहेगा। अंतिम बार कोरोना महामारी से पहलें 2019 में राजस्थान की झाँकी निकली थी। प्रदेश के नोडल विभाग राजस्थान ललित कला अकादमी के एक अधिकारी ने बताया कि पिछलें दो वर्षों से केन्द्र सरकार की ओर से झाँकी निकालने का प्रस्ताव भेजने की सूचना भी नही मिल रही है। इस बार संयोग से राजस्थान के साथ कांग्रेस शासित दूसरे प्रदेशों छत्तीसगढ़ एवं हिमाचल प्रदेश की झाँकियां भी गणतंत्र दिवस की परेड का हिस्सा नहीं होंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणतंत्र दिवस परेड में इस बार कुल16 राज्यों और विभिन्न मंत्रालयों की झांकियां निकलेगी। जिनमें जिन राज्यों की झांकियां शामिल होंगी उनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम,दादर-नागर-दमन द्वीप, गुजरात, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, झारखंड, केरल, लद्दाख, महाराष्ट्र, तमिलनाडू, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल आदि शामिल हैं। गत वर्ष 2022 में सेंट्रल विस्टा का काम चलने के कारण स्थानाभाव में 12 राज्यों को ही अपनी अपनी झांकियां पेश करने का अवसर दिया गया था। इस बार आर डी परेड में जो प्रदेश झांकियां ले कर आ रहे हैं उनमें से एक भी राज्य कांग्रेस शासित नहीं है। साथ ही दिल्ली में दिल्ली प्रदेश की झांकी भी नही दिखेंगी । साथ ही बिहार और पंजाब जैसे गैर एनडीए शासित प्रदेशों को भी स्थान नही मिला हैं हालांकि इस बार परेड में भाजपा शासित कर्नाटक और मध्यप्रदेश आदि प्रदेशों की झांकियां भी नहीं सजेगी। इन दिनों देश की राजधानी नई दिल्ली के साथ ही देशभर में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियाँ अंतिम चरण पर है। नई दिल्ली में विकसित हों रहें सेंट्रल विस्टा के नए रंग रूप वाले कर्तव्य पथ पर मुख्य परेड की जोरशोर से तैयारियाँ हों रही हैं। इस बार परेड में मिस्र के?राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सिसी बतौर मुख्य अतिथि शामिलहोंगे।

पीएम मोदी की सभा में पकड़ा गया फर्जी एनएसजी जवान, सेना और आईबी जांच में जुटी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जनवरी को मुंबई में थे, यहां उन्होंने करीब 38,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्धाटन और शिलान्यास किया था। जानकारी के मुताबिक एमएमआरडीए मैदान में आयोजित पीएम के कार्यक्रम में एक शख्स एनएसजी का फर्जी पहचान पत्र दिखाकर घुसने की कोशिश कर रहा था। हालांकि शक होने के बाद उसे हिरासत में ले लिया गया है।

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी 35 वर्षीय रामेश्वर मिश्रा नवी मुंबई का रहने वाला है। वह भारतीय सेना की गार्ड्स रेजीमेंट का जवान होने का दावा कर रहा है। पुलिस अब इस मामले में जांच कर रही है। वहीं सेना, आईबी, दिल्ली पुलिस और पीएम सुरक्षा अधिकारी जैसी कई एजेंसियां संदिग्ध की जानकारी की जांच कर रही हैं कि वह वीवीआईपी सेक्शन में जाने की कोशिश क्यों कर रहा था।

13 फरवरी को हैदराबाद में जनसभा को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

हैदराबाद (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 फरवरी को हैदराबाद का दौरा करेंगे। जहां पीएम विभिन्न परियोजनाओं के उद्धाटन के साथ जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्हें 19 जनवरी को हैदराबाद का दौरा दौरा करना था लेकिन यात्रा स्थगित कर दी गई थी। प्रधानमंत्री को सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखानी थी और इसे राष्ट्र को समर्पित करना था और 7,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का शिलान्यास करना था। जबकि यात्रा स्थगित कर दी गई थी, लेकिन प्रधानमंत्री ने 15 जनवरी को ट्रेन को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई थी।

रूस से गोवा जा रही फ्लाइट में बम की सूचना, 238 लोग सवार, उज्बेकिस्तान किया गया डायवर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। रूस से गोवा जा रही अज़ूर एयर की चार्टर्ड फ्लाइट में बम होने की सूचना दी गई है। गोवा हवाई अड्डे के डायरेक्टर को एक ईमेल के माध्यम से यह धमकी भेजी गई थी। सूचना मिलने के बाद इस फ्लाइट को उज्बेकिस्तान डायवर्ट कर दिया गया है। यह फ्लाइ टरूस के पर्म एयरपोर्ट से गोवा जा रही थी। बड़ी बात यह है कि इस विमान में 238 पैसेंजर और 7 क्रू मेंबर सवार हैं।

बता दें कि प्लेन ने रूस के पेरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अजूर एयरलाइंस के प्लेन ने गोवा आने के लिए उड़ान भरी थी। लेकिन बीच में ही उसे सुरक्षा संबंधित अलर्ट जारी

कर दिया गया। जिसके बाद आनन-फानन में फ्लाइट को उज्बेकिस्तान के लिए डायवर्ट किया गया है।

बता दें कि 11 दिनों में रूसी एयरलाइंस एजूर की फ्लाइट के साथ यह दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले 10 जनवरी को भी मॉस्को से गोवा जा रहे ्र5ह्वह्म् एयरलाइंस के विमान की गुजरात के जामनगर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। दरअसल, विमान में बम होने की खबर गोवा के एयर ट्रैफिक कंट्रोल को ई-मेल के जरिए मिली थी। गोवा एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने ई-मेल को गंभीरता से लेते हुए तुरंत ही विमान के पायलट से संपर्क किया और फ्लाइट को पास के एयरपोर्ट पर लैंड कराने के लिए कहा। एटीसी ने विमान के पायलट से जामनगर स्थित भारतीय वायु सेना के एयर बेस पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराने के निर्देश दिए। इस एयरपोर्ट से बस एक ही पैसेंजर फ्लाइट का संचालन होता है और वह भी सुबह के समय।

हैदराबाद : सिकंदराबाद की एक बिल्डिंग में लगी आग में मानव कंकाल बरामद

हैदराबाद (आरएनएस)। हैदराबाद के सिकंदराबाद की एक बिल्डिंग में लगी भीषण आग की घटना के बाद बचाव दलों को शनिवार को मानव कंकाल मिला। तीन लापता व्यक्तियों को ढूंढने के प्रयास में बचाव दल को इमारत की पहली मंजिल पर कंकाल मिला।

कंकाल को मलबे से निकालकर पहचान के लिए गांधी अस्पताल में भेजा गया। अधिकारियों ने कहा कि शव की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच कराई जाएगी।

सिकंदराबाद के व्यस्त इलाके में इमारत में आग लगने के दो दिन बाद सुलगते मलबे से निकलने वाली गर्मी और धुएं के कारण टीमें परिसर में प्रवेश नहीं कर पाई। हालांकि, शनिवार को कुछ बचावकर्मी अंदर जाने में कामयाब रहे।

इमारत में गुरुवार को भीषण आग लगने के बाद से वसीम, जहीर और जुनैद लापता बताए जा रहे हैं। बचे कुछ लोगों ने कहा कि

तीन लोग अपना सामान लेने गए थे लेकिन फंस गए।

गुरुवार को आग बुझाने के प्रयास में दो दमकल कर्मी घायल हो गए। आग पर काबू पाने में आठ घंटे लग गए। हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में विभिन्न फायर स्टेशनों से 23 दमकल गाडिय़ों को सेवा में लगाया गया था।

इमारत का स्वामित्व डेक्कन कॉरपोरेट के पास है, जो टी-शर्ट, यूनिफॉर्म, बैग, गिफ्ट आर्टिकल्स और सामान के निर्माता हैं। अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के अनुसार, इमारतों में टन कपड़ा, फ्लेक्स रोल और रसायन जमा थे। पहली मंजिल के तहखाने में करीब 1,000 टन ज्वलनशील सामग्री आग के तेजी से फैलने का कारण बनी।

इस बीच, इमारत के ढहने की आशंका के कारण अधिकारी इमारत को गिराने की व्यवस्था कर रहे थे। आग से ढांचा कमजोर हो गया है।

इमारत को गिराने की कार्रवाई में अभी कुछ दिनों और लगने की संभावना है क्योंकि अधिकारी घरों समेत आसपास की इमारतों को क्षति से बचाने की योजना बना रहे हैं।

निदेशक एनआईआईटी रमना राव ने कहा कि कुछ जगहों पर स्लैब के गिरने या दरारें पडऩे के कारण आग दुर्घटना के कारण इमारत जीर्ण-शीर्ण स्थिति में है। उन्होंने सुझाव दिया कि भवन का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

इसके बाद पुलिस ने लोगों को इमारत के करीब जाने से रोकने के लिए बल तैनात कर दिया।

पुलिस ने कहा कि विशेषज्ञ की राय के आधार पर, आसपास की इमारतों के मालिकों, किरायेदारों को अगली सूचना तक अपने घर खाली करने के लिए कहा गया है। पुलिस ने अप्रिय घटना से बचने के लिए आग दुर्घटना स्थल के दोनों पहुंच बिंदुओं से यात्रियों को डायवर्ट भी किया है।

पुलिस उपायुक्त ने कहा कि ड्रोन कैमरों से जुटाए गए फुटेज से पता चलता है कि ज्यादातर छत टूट कर नीचे गिर गई है।

इस बीच, राज्य के मंत्री टी. श्रीनिवास यादव ने शनिवार को घटनास्थल का दौरा किया और बचाव अभियान की समीक्षा की। उन्होंने वादा किया कि सरकार पीड़ित परिवारों की मदद करेगी।

उन्होंने आस-पास के आवासीय क्षेत्र का भी दौरा किया और निवासियों के साथ बातचीत की।

करणी सेना के नेता सुरजीत सिंह राठौर मुंबई में गिरफ्तार, मॉडल से छेड़छाड़ का आरोप

मुंबई (आरएनएस)। एक मॉडल से छेडख़ानी और परेशान करने की शिकायत के बाद मुंबई पुलिस ने करणी सेना के नेता सुरजीत सिंह राठौर को गिरफ्तार कर लिया है। मॉडल ने सुरजीत सिंह राठौर पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुंबई के बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज कराई थी। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। सुरजीत सिंह राठौर फिल्म उद्योग से जुड़े हुए हैं। सुशांत सिंह राजपूत मामले में भी वह काफी चर्चा में रहे थे। सुरजीत ने दावा किया था कि वह 15 जून, 2020 को रिया चक्रवर्ती को कूपर हॉस्पिटल के शवगृह में लेकर गए थे, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद सुशांत का शव रखा गया था। आपको बता दें कि 14 जून, 2020 को सुशांत सिंह राजपूत अपने कमरे में फांसी के फंदे से लटके हुए मिले थे। जब इस बात पर बहस चल रही थी कि सुशांत की मौत आत्महत्या है या हत्या, तब सुरजीत सिंह ने कई मीडिया आउटलेट्स को दिए बयान में दावा किया था कि रिया ने अस्पताल के शवगृह में सुशांत सिंह राजपूत के सीने पर हाथ रखकर सॉरी बाबू कहा था और रोने लगी थीं।

अखिल भारतीय राजपूत करणी सेना के सदस्य सुरजीत सिंह राठौर ने बताया था कि सुशांत के चचेरे भाई और विधायक नीरज सिंह बबलू उनके करीबी हैं। उन्होंने सुशांत सिंह के दोस्त और निर्माता संदीप सिंह पर भी गंभीर आरोप लगाए थे। सुरजीत ने कहा था, 'संदीप सिंह इस मामले के मास्टरमाइंड हैं।

कटिहार में वंदे भारत एक्सप्रेस पर फिर पथराव

नई दिल्ली (आरएनएस)। वंदे भारत एक्सप्रेस पर फिर एक बार पथराव की घटना सामने आई है। यह पथराव बिहार के कटिहार में बलरामपुर के पास किया गया। पथराव के कारण ट्रेन की खिडक़ी का शीशा टूट गया। देश में विख्यात वंदे भारत ट्रेन पर लगातार पथराव के मामले सामने आ रहे हैं। रेलवे मामले की जांच में जुटा है। ताजा मामला 20 जनवरी यानी शुक्रवार का है।

22302 डाउन वंदे भारत एक्सप्रेस की एस्कॉर्ट टीम ने बताया कि कोच-सी 6 में बर्थ नंबर 70 पर यात्रियों ने डालखोला-तेलता रेलवे स्टेशन को पार करते समय पथराव की सूचना दी है। डालखोला-तेलता रेलवे स्टेशन बिहार के कटिहार में बलरामपुर के अंतर्गत आता है। पथराव के कारण कोच सी-6 के दाहिनी ओर की एक खिडक़ी का शीशा टूट गया है।

रेलवे सुरक्षा बल के वरीय सुरक्षा आयुक्त कमल सिंह ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि दालकोला आरपीएफ पोस्ट के तहत 20 जनवरी (शुक्रवार) को तेलता रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन संख्या 22302 डाउन वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव हुआ।

इसके बाद आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने संबंधित घटनास्थल का जायजा लिया और कटिहार के एसपी जितेंद्र कुमार से बातचीत की। पथराव की यह घटना पश्चिम बंगाल की सीमा के पास बिहार के कटिहार जिले में हुई है।

इससे पहले जनवरी के पहले सप्ताह में पश्चिम बंगाल में भी इस तरह के मामले सामने आए थे। वंदे भारत ट्रेन हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी की तरफ जा रही थी तो दार्जीलिंग जिले में पथराव किया गया था। दार्जीलिंग जिले में फांसीदेवा के पास ट्रेन पर पत्थर फेंके गए थे। और एक अन्य पथराव उसी रूट पर किया गया था। एक अन्य घटना में विशाखापत्तनम में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव किया गया है। जब ट्रेन को 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरी झंडी दिखाने वाले थे उससे ठीक पहले। रेलवे ने जानकारी दी कि हादसा मेंटेनेंस के दौरान हुआ।

ओडिशा कैबिनेट ने 1,287 करोड़ रुपए की पेयजल परियोजनाओं को दी मंजूरी

भुवनेश्वर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली ओडिशा कैबिनेट ने शनिवार को मल्कानगिरी, नयागढ़ और जाजपुर जिलों में नौ मेगा पाइप जलापूर्ति परियोजनाओं के निष्पादन के लिए 1,287 करोड़ रुपये की तीन निविदाओं को मंजूरी दी। विकास आयुक्त पी. के. जेना ने कैबिनेट के फैसलों के बारे में मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति राज्य सरकार के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है।

तदनुसार, सरकार ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) के वित्त पोषण से तीन जिलों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नौ मेगा पाइप जलापूर्ति

परियोजनाओं के निष्पादन का निर्णय लिया है।

राज्य कैबिनेट ने मल्कानगिरी जिले में चार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए 639.26 करोड़ रुपये की सबसे कम राशि की निविदा को मंजूरी दी है। परियोजनाओं के क्रियान्वयन से मल्कानगिरी जिले के चार प्रखंडों की 61 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले 453 गांवों के 3.13 लाख लोग लाभान्वित होंगे।

इसी प्रकार मंत्रि-परिषद ने नयागढ़ जिले में 393.93 करोड़ रुपये की लागत से तीन मेगा पाइप जलापूर्ति परियोजनाओं के क्रियान्वयन का निर्णय लिया है। जेना ने कहा कि यह परियोजना जिले के तीन ब्लॉकों की 42 ग्राम पंचायतों के तहत 619 गांवों के 1.94 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध कराएगी।

जाजपुर जिले में दो जल आपूर्ति परियोजनाओं के निष्पादन के लिए ओडिशा सरकार द्वारा 254.66 करोड़ रुपये की एक और निविदा को मंजूरी दी गई है। जिले के कोरेई और बाड़ी प्रखंडों की 49 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले 250 गांवों के लगभग 2.50 लाख लोग लाभान्वित होंगे।

सभी पेयजल परियोजनाओं के कार्य को 24 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, ओडिशा सरकार ने वर्ष 2022-23 में राज्य योजना के तहत बालासोर जिले में सुबर्णरेखा नदी पर उच्च स्तरीय पुल के निर्माण का भी निर्णय लिया है। 101.66 करोड़ रुपये की इस पुल परियोजना को तीन साल की अवधि में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

ओडिशा कैबिनेट ने सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों (एसईबीसी) की सूची में 22 जातियों को शामिल करने के लिए ओडिशा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (ओएससीबीसी) अधिनियम, 1993 में संशोधन करने का भी निर्णय लिया है। इसके अलावा, कैबिनेट ने कैंसर रोगियों के आवास के लिए विश्राम गृह के निर्माण के लिए बागची-श्री शंकर कैंसर केयर सेंटर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (बीएसएससीआरआई) के पक्ष में 2 एकड़ भूमि के आवंटन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।